अध्याय 13. शिक्षा (शिक्षाशास्त्र)

- : लेखक परिचय :-

> लेखक- जे कृष्णमूर्ति
> जन्म 12 मई 1895
> जन्म-स्थान मदनपल्ली, चित्तूर, आंध्र प्रदेश
> निधन-17 फरवरी 1986
> निधन स्थान- ओजई, कैलिफोर्निया
> पूरा नाम- जिद्दू कृष्णमूर्ति
> माता- संजीवम्मा
> पिता- नारायणा जिद्दू

> बचपन-
(i) दस वर्ष की अवस्था में ही माँ की मृत्यु हो गई।
(ii) स्कूल में शिक्षकों और घर पर पिता के द्वारा बहुत पीटे गए।
(iii) बचपन से ही विलक्षण मानसिक अनुभव के थे।

> विशेष-
(i) मूलतः वक्ता रहे।
(ii) आरंभ में कुछ लेखन कार्य किये।
(iii) वे व्याख्यान के विषय शिक्षा, दर्शन एवं अध्यात्म से जुड़े थे।
(iv) वे परंपरित (पुराणी) शिक्षा प्रणाली से असंतुष्ट थे।

> संपर्क-
(i) किशोरावस्था में ही C.W. लीडबीटर और एनी बेसेंट से उनका परिचय हुआ और उन्होंने उनको सहारा दिया।
(ii) फिर वे थियोसोफिकल सोसाइटी से जुड़े।
(iii) लीडबेटर उनमें 'विश्व शिक्षक' का रूप देखते थे।
(iv) वे 1938 में एल्डुअस हक्सले के संपर्क में आए।
(v) वे कई देशों की यात्रा भी किये हैं।

> कृतियाँ -
(i) द फर्स्ट एंड लास्ट फ्रीडम,
(ii) द ऑनली रिवॉल्यूशन
(iii) कृष्णमूर्तिज नोट बुक

महत्वपूर्ण जानकारी

1. जे. कृष्णमूर्ति बीसवीं शताब्दी के महान भारतीय दार्शनिक, जीवनद्रष्टा, शिक्षामनीषी और संत थे।
2. वे भारत के प्राचीन ऋषियों की परंपरा की एक आधुनिक कड़ी थे।
3. उनका मानना था कि सच्चा ज्ञान ही मुक्ति और स्वतंत्रता दे सकता है।
4. कृष्णमूर्ति के अनुसार, शिक्षा का उद्देश्य मनुष्य को स्वतंत्र, आत्मनिर्भर और भारहीन बनाना है।
5. शिक्षा से मनुष्य में प्रेम, करुणा, सहयोग, दायित्वबोध और सृजनशीलता का विकास होता है।
6. शिक्षा का उद्देश्य केवल पेशा, आजीविका या कौशल का विकास करना नहीं है बल्कि
7. मनुष्य के सम्पूर्ण व्यक्तित्व का विकास करना है।
8. कृष्णमूर्ति को देश-विदेश सर्वत्र सम्मान प्राप्त था।
9. उन्हें बीसवीं सदी के "दूसरे बुद्ध" के रूप में जाना जाता था।
10. वे एक महान अध्यात्मवेत्ता और ज्ञानी के रूप में जाने जाते थे।
11. कृष्णमूर्ति ध्यान-साधना, तंत्र-योग या दीक्षा नहीं देते थे।
12. कृष्णमूर्ति ज्यादा लिखते नहीं थे, बल्कि बोलते और संवाद करते थे।
13. वे संभाषणों और प्रश्नोत्तर के माध्यम से अपने विचार प्रकट करते थे।
14. यह संवाद की शैली भारत ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया में बहुत प्राचीन परंपरा है।
15. उनके सभी संभाषण 'कृष्णमूर्ति फाउंडेशन' द्वारा विभिन्न भाषाओं में प्रकाशित किए गए हैं।
16. इस पाठ में उनके एक संभाषण का उदाहरण प्रस्तुत है, जिसमें शिक्षा पर उनके विचार झलकते हैं।

लघु उत्तरीय प्रश्न

1.जीवन में विद्रोह का क्या स्थान है? [2016, 2025]
उत्तर- जीवन में विद्रोह जरूरी है क्योंकि इससे बुराइयाँ और गलत परम्पराएँ खत्म होती हैं। विद्रोही व्यक्ति ही नया रास्ता बनाता है और सच्चाई की खोज कर सकता है। सच की खोज के लिए हमें डर और परम्पराओं से मुक्त होना जरूरी है।

2. जहाँ भय है वहाँ मेधा नहीं हो सकती। क्यों? [2020]

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

उत्तर- जहाँ डर होता है, वहाँ बुद्धि और समझ नहीं बढ़ सकती है। हम हमेशा किसी न किसी चीज़ से डरते रहते हैं-जैसे नौकरी जाने का डर, परीक्षा में फेल होने का डर, या परम्परा तोड़ने का डर-तो हमारी सोच छोटी हो जाती है। डर के माहौल में इंसान सही तरीके से नहीं सोच पाता। इसलिए जहाँ भय है, वहाँ मेधा नहीं हो सकती।

3. 'जीवन क्या है?' इसका परिचय लेखक ने किस रूप में दिया है?

उत्तर - लेखक के अनुसार जीवन बहुत विशाल और रहस्यमय है। इसमें प्रकृति, भावनाएँ, धर्म, ध्यान, प्रेम, दुख-सुख सब शामिल हैं। शिक्षा ही हमें जीवन को सही ढंग से समझने में मदद करती है।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

1. शिक्षा शीर्षक लेख का सारांश लिखें। [2023]

उत्तर- जे. कृष्णमूर्ति के अनुसार, शिक्षा का असली उद्देश्य यह है कि वह इंसान को स्वतंत्र, निडर और समझदार बनाए। शिक्षा हमें सच्चा प्रेम, करुणा, सहयोग और जिम्मेदारी सिखाती है। सच्ची शिक्षा हमें सीमाओं और छोटी सोच से मुक्त करती है और हमारे जीवन को विस्तृत और गहरा बनाती है। शिक्षा हमें जीवनभर सीखने और बेहतर बनने में मदद करती है। यह हमारे व्यवहार को सुधारती है और हमें मिल-जुलकर रहना सिखाती है। जहाँ डर होता है, वहाँ समझ और बुद्धि नहीं होती, इसलिए शिक्षा हमें भय से भी मुक्त करती है। शिक्षा का काम हमें केवल नौकरी दिलाना नहीं है, बल्कि जीवन को उज्जवल करना है। सत्य की खोज हमें खुद करनी होती है, । अगर हम सच में ज्ञान पाना चाहते हैं, तो हमें अपने मन को सब बंधनों से मुक्त करना होगा। ध्यान हमारे भीतर की वह रोशनी है जो हमें सही रास्ता दिखाती है।

2. क्रांति करना, सीखना और प्रेम करना तीनों पृथक-पृथक प्रक्रियाएँ हैं या नहीं कैसे? [2020]

उत्तर- क्रांति समाज की बुरी परम्पराओं को तोड़कर नई सोच लाने के लिए की जाती है। सीखना जीवनभर चलता रहता है, हम हर चीज से कुछ न कुछ सीखते हैं। जब हम प्रेम से और ध्यान से सीखते हैं, तो नई खोज आसानी से कर पाते हैं। इसलिए क्रांति करना, सीखना और प्रेम करना अलग नहीं हैं, ये तीनों एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं और एक साथ चलने वाली प्रक्रियाएँ हैं।

3. 'बचपन से ही आपका ऐसे वातावरण में रहना अत्यंत आवश्यक है जो स्वतंत्रापूर्ण हो।' क्यों? 'शिक्षा' शीर्षक पाठ के अनुसार बताइए। [2025, 2022]

उत्तर- बचपन से ही स्वतंत्र माहौल में रहना जरूरी है क्योंकि डर के माहौल में हमारा सही विकास नहीं हो सकता है। जहाँ डर होता है, वहाँ बुद्धि और समझ नहीं बढ़ती है। जब बच्चा बिना भय के, खुलकर सोचता और सीखता है, तभी वह सच्चाई और जीवन के अर्थ को समझ पाता है। वातावरण ऐसा होना चाहिए जहाँ स्वतंत्रता और अनुशासन दोनों हो ताकि जीवन की पूरी प्रक्रिया को समझा जा सके।

सप्रसंग व्याख्यात्मक प्रश्न

1. यहाँ प्रत्येक मनुष्य किसी न किसी के विरोध में खड़ा है और किसी सुरक्षित स्थान पर पहुँचने के लिए प्रतिष्ठा, सम्मान, शक्ति व आराम के लिए निरंतर संघर्ष कर रहा है [2020]

उत्तर- प्रस्तुत पंक्ति जे. कृष्णमूर्ति द्वारा रचित " शिक्षा " शीर्षक पाठ से लिया गया है। इस पंक्ति के माध्यम से लेखक का कहना है कि प्रत्येक इंसान आज किसी न किसी के विरोध में खड़ा है। वह सम्मान, शक्ति, और आराम पाने के लिए लगातार संघर्ष कर रहा है। दुनिया में स्वार्थ, लड़ाई और प्रतियोगिता बढ़ती जा रही है। हमें ऐसे माहौल से मुक्त होकर स्वतंत्र और निडर वातावरण बनाना चाहिए, जहाँ हम अपने सत्य की खोज कर सकें।

वस्तुनिष्ट प्रश्नः -

1. जे. कृणमूर्ति का जन्म हुआ था-
(A) 1895 (B) 1896 (C) 1897 (D) 1898

2. कृष्णमूर्ति के पिता का क्या नाम था ?[2023A
(A) नारायण जिद्दू (B) श्रीराम जाज्
(C) हरिनारायण राम (D) प्रकाश देव

3. कृष्णमूर्ति की माता की मृत्यू जब हुई तब उनकी अवस्था क्या थी ?
(A) 10 वर्ष (B) 12 वर्ष (C) 11 वर्ष (D) 14 वर्ष

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.

4. शिक्षा का उद्देश्य क्या है?
(A) सम्पूर्ण उन्नयत (B) शिष्टाचारी बनना
(C) स्वतन्त्रता पाना (D) जीविका कमाना

5. मेधा और किसका परस्पर बैर है ?
(A) आदर्शता **(B)** भय
(C) परम्परा (D) क्रान्ति

6. कृष्णमूर्ति किस रूप में देखे जाते हैं?
(A) महामनीषी (B) तपस्वी
(C) दूसरे बुद्ध (D) सुकरात

7. 'शिक्षा' शीर्षक निबन्ध के निबन्धकार हैं-[2021A]
(A) मलयज (B) मोहन राकेश
(C) उदय प्रकाश. **(D)** जे. कृष्णमूर्ति

8. 'शिक्षा' पाठ की विधा है-
(A) सम्भाषण (B) भाषण (C) उपदेश (D) कहानी

9. जे. कृष्णमूर्ति का जन्म किस राज्य में हुआ था ?
(A) आन्ध्र प्रदेश (B) उत्तर प्रदेश
(C) राजस्थान (D) उड़ीसा (ओडिशा)

10.सी० डब्ल्यू० लीडबेटर किनमें 'विश्व शिक्षक' का रूप देखते थे? [2024A, 2022A]
(A) राधाकृष्णन में (B) राजेन्द्र प्रसाद में
(C) गाँधी में **(D)** जे. कृष्णमूर्ति में

11. 'द फर्स्ट एण्ड लास्ट फ्रीडम' किसकी कृति है ?
(A) अब्दुल कलाम आजाद (B) पट्टाभि सीतारमैया
(C) जे. कृष्णमूर्ति (D) जाकिर हुसैन

12. जे. कृष्णमूर्ति के सम्बन्ध में कौन-सा तथ्य सही है ?
(A) वे प्रायः लिखते थे (B) वे उपन्यासकार थे
(C) वे प्रसिद्ध नाटककार थे
(D) वे प्रायः बोलते थे, संभाषण करते थे

13. जे. कृष्णमूर्ति का पूरा नाम था (BSEB, 2021, 24
(A) जयंत कृष्णमूर्ति **(B)** जिद्दू कृष्णमूर्ति
(C) जीवंत कृष्णमूर्ति (D) जनेश कृष्णमूर्ति

14. जे. कृष्णमूर्ति किशोरावस्था में किस संस्था से जुड़े थे ?(BSEB, 2021)
(A) आर्य समाज (B) ब्रह्म समाज
(C)थियोसोफिकल सोसाइटी (D)इनमें से कोई नहीं

15. लीडबेटर की नजर में जे. कृष्णमूर्ति क्या थे?[2021A
(A) राज्य शिक्षक (B) देश शिक्षक
(C) विश्व शिक्षक (D) गाँव शिक्षक

16. "जहाँ भय है, वहाँ मेधा नहीं हो सकती।" किस पठित पाठ की उक्ति है? (BSEB, 2021)
(A) अर्धनारीश्वर (B) ओ सदानीरा
(C) सिपाही की माँ **(D)** शिक्षा

17. 'शिक्षा' शीर्षक पाठ के अनुसार, सत्य की खोज तभी सम्भव है, जब (BSEB, 2022)
(A) स्वतच्चता हो. (B) चिंतन हो
(C) मनन हो (D) विचार हो

18. जे० कृष्णमूर्ति की इनमें से कौन-सी रचना है? [2018A]
(A) रोज (B) संपूर्ण क्रांति (C) बातचीत **(D)** शिक्षा

19. 'शिक्षा' हिन्दी साहित्य में किस विधा के अंतर्गत है?
[2024A]
(A) संभाषण (B) डायरी लेखन
(C) आत्मकथा (D) ऐतिहासिक संस्मरण

20. 'क्रांति करना, सीखना और प्रेम करना तीनों पृथक-पृथक प्रक्रियाएँ नहीं हैं' यह उक्ति किस शीर्षक पाठ से है?
[2024A]
(A) शिक्षा (B) तिरिछ (C) अर्धनारीश्वर (D) जूठन

21. 'शिक्षा' शीर्षक पाठ के अनुसार, सत्य की खोज तभी संभव है, जब (2022)
(A)स्वतंत्रता हो (B)चिंतन हो
(C)मनन हो (D) विचार हो

22. 'शिक्षा' शीर्षक पाठ क्या है? [2023A]
(A) शिक्षा शास्त्र (B) अर्थशास्त्र
(C) भाषाशास्त्र। (D) तर्कशास्त्र

@All right reserved. No part of this work may be reproduce in any form, without permission in writing from the copyright holder.